

07.03.25

पत्रावली पेश हुई। न्यायालय सभ्य
में अधिवक्ता प्रार्थी एवं प्रार्थीगण के
नाम से अलग-अलग सभ्य पर तीन
बार आवाज दिलाई गई। कोई उप. नहीं।

इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि
अधिवक्ता प्रार्थी एवं प्रार्थीगण अपने
प्रार्थना-पत्र को लेकर गंभीर नहीं हैं।

लिहाजा प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र
'अदम-पैखी' व 'अदम-हाजिरी' में
इसी स्तर पर रवारिज किया जाता है।

पत्रावली फैसल शूमार होकर दारिखल
दफतर हो व नंबर से कम हो।

07/03/25

उपखण्ड अधिकारी

